

Bihar Board Class 12 English Notes Chapter 5 Ideas that have helped mankind

BERTRAND ARTHUR WILLIAM RUSSELL (1872-1970), a British philosopher, historian, mathematician, advocate for social reform, pacifist and a prominent rationalist of the twentieth century, was a prolific writer. He was also a commentator on a large variety of topics. His comments on sex, marriage, politics, religion, science, psychology, philosophy, socialism, education, Christ, Marx, Buddha and a host of other topics are pithy and full of candour. In 1950, Russell was awarded Nobel Prize in literature 'in recognition of his varied and significant writings in which he champions humanitarian ideals and freedom of thought.' As one of the world's best-known intellectuals, Russell's voice carried great moral authority: He was original and provocative in his attitude and clear and forceful in his style. His writings emphasise reason, intelligence, human happiness, peace and liberty. His major works include A History of Western Philosophy, Human Knowledge: Its Scope and Limits, Authority and the Individual, Has Man a Fact and fiction, My philosophical Development, Conquest of Happiness, Marriage and Morals, Roads to Freedom, In Praise of Idleness, Why I am not a Christian.

बर्ट्रैंड आर्थर विलियम रसेल (1872-1970), एक ब्रिटिश दार्शनिक, इतिहासकार, गणितज्ञ, सामाजिक सुधार के पैरोकार, शांतिवादी और बीसवीं सदी के एक प्रमुख तर्कवादी, एक विपुल लेखक थे। वे विभिन्न विषयों पर टिप्पणीकार भी थे। सेक्स, विवाह, राजनीति, धर्म, विज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, समाजवाद, शिक्षा, ईसा मसीह पर उनकी टिप्पणियाँ। मार्क्स, बुद्ध और कई अन्य विषय गूढ़ और स्पष्टवादी हैं। 1950 में, रसेल को साहित्य में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था 'उनके विविध और महत्वपूर्ण लेखन की मान्यता में जिसमें उन्होंने मानवीय आदर्शों और विचार की स्वतंत्रता का समर्थन किया।' दुनिया के सबसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवियों में से एक के रूप में, रसेल की आवाज़ में महान नैतिक अधिकार थे: वह अपने दृष्टिकोण में मूल और उत्तेजक और अपनी शैली में स्पष्ट और सशक्त थे। उनके लेखन में तर्क, बुद्धि, मानवीय सुख, शांति और स्वतंत्रता पर जोर दिया गया है। उनकी प्रमुख कृतियों में ए हिस्ट्री ऑफ वेस्टर्न फिलॉसफी, ह्यूमन नॉलेज: इट्स स्कोप एंड लिमिट्स, अथॉरिटी एंड द इंडिविजुअल, हैज़ मैन ए फैक्ट एंड फिक्शन, माई फिलॉसफिक डेवलपमेंट, कॉन्क्रेस्ट ऑफ हैप्पीनेस, मैरिज एंड मोरल, रोड्स टू फ्रीडम, इन स्तुति ऑफ आलस्य शामिल हैं।, मैं ईसाई क्यों नहीं हूँ।

IDEAS THAT HAVE HELPED MANKIND

Paragraph 1. Before we can discuss this subject we must form some conception as to the kind of effect that we consider a help to mankind. Are mankind helped when they become more numerous? Or when they become less like animals? Or when they become happier?

Or when they learn to enjoy a greater diversity of experiences? Or when they come to know more? Or when they become more friendly to one another? I think all these things come into our conception of what helps mankind, and I will say a preliminary word about them.

Paragraph 2. The most indubitable respect in which ideas have helped mankind is numbers. There must have been a time when homo sapiens was a very rare species, subsisting precariously in jungles and caves, terrified of wild beasts, having difficulty in securing nourishment. At this period the biological advantage of his greater intelligence, which was cumulative because it could be handed on from generation to generation, had scarcely begun to outweigh the disadvantages of his long infancy, his lessened agility as compared with monkeys, and his lack of hirsute protection against cold. In those days, the number of men must certainly have been very small. The main use to which, throughout the ages, men have put their technical skill has been to increase the total population. I do not mean that this was the intention, but that it was, in fact, the effect. If this is something to rejoice in, then we have occasion to rejoice.

पैराग्राफ 1. इससे पहले कि हम इस विषय पर चर्चा कर सकें, हमें कुछ धारणा बनानी चाहिए कि हम किस तरह के प्रभाव को मानव जाति के लिए मदद मानते हैं। क्या मानवजाति की मदद की जाती है जब वे अधिक संख्या में हो जाते हैं? या जब वे जानवरों की तरह कम हो जाते हैं? या जब वे खुश हो जाते हैं?

या जब वे अनुभवों की अधिक विविधता का आनंद लेना सीखते हैं? या जब उन्हें और पता चलता है? या जब वे एक दूसरे के प्रति अधिक मित्रवत हो जाते हैं? मुझे लगता है कि ये सभी चीजें मानव जाति की मदद करने वाली हमारी अवधारणा में आती हैं, और मैं उनके बारे में एक प्रारंभिक शब्द कहूंगा।

पैराग्राफ 2. सबसे निर्विवाद सम्मान जिसमें विचारों ने मानव जाति की मदद की है वह संख्या है। एक समय रहा होगा जब होमो सेपियन्स एक बहुत ही दुर्लभ प्रजाति थी, जो जंगलों और गुफाओं में अनिश्चित रूप से रहती थी, जंगली धड़कन से डरती थी, पोषण हासिल करने में कठिनाई होती थी। इस अवधि में उनकी अधिक बुद्धि का जैविक लाभ, जो संचयी था क्योंकि इसे पीढ़ी से पीढ़ी तक सौंप दिया जा सकता था, उनकी लंबी शैशवावस्था, बंदरों की तुलना में उनकी कम चपलता, और उनकी कमी की कमी के नुकसान को कम करना शुरू कर दिया था। ठंड से बचाव। उन दिनों पुरुषों की संख्या अवश्य ही बहुत कम रही होगी। जिसका मुख्य उपयोग, उम्र भर, पुरुषों ने अपने तकनीकी कौशल को कुल जनसंख्या में वृद्धि करने के लिए किया है। मेरा मतलब यह नहीं है कि यह इरादा था, लेकिन वास्तव में यह प्रभाव था। यदि यह आनन्द की बात है, तो हमारे पास आनन्दित होने का अवसर है।

Paragraph 3. We have also become, in certain respects, progressively less like animals. I can think in particular of two respects: first, that acquired, as opposed to congenital, skills play a continually increasing part in human life, and, secondly, that assuming more and more dominates impulse. In these respects we have certainly become progressively less like animals.

Paragraph 4. As to happiness, I am not sure. Birds, it is true, die of hunger in large numbers during the winter, if they are not birds of passage. But during the summer they do not foresee this catastrophe, or remember how nearly it befell them in the previous winter. With human beings the matter is otherwise. I doubt whether the percentage of birds that will have died of hunger during the present winter (1946-47) is as great as the percentage of human beings that will have died from this cause in India and central Europe during the same period. But

every human death by starvation is preceded by a long period of anxiety, and surrounded by the corresponding anxiety of neighbours. We suffer not only the evils that actually befall us, but all those that our intelligence tells us we have reason to fear. The curbing of impulses to which we are led by forethought averts physical disaster at the cost of worry and general lack of joy. I do not think that the learned men of my acquaintance, even when they enjoy a secure income, are as happy as the mice that eat the crumbs from their tables while the erudite gentlemen snooze. In this respect, therefore, I am not convinced that there has been any progress at all.

Paragraph 5. As to diversity of enjoyments, however, the matter is otherwise. I remember reading an account of some lions who were taken to a movie showing the successful depredations of lions in a wild state, but none of them got any pleasure from the spectacle. Not only music, and poetry, and science, but football, and baseball, and alcohol, afford no pleasure to animals. Our intelligence has, therefore, certainly enabled us to get a much greater variety of enjoyment than is open to animals, but we have purchased this advantage at the expense of a much greater liability to boredom.

पैराग्राफ 3. हम भी कुछ मामलों में जानवरों की तरह उत्तरोत्तर कम होते गए हैं। मैं विशेष रूप से दो पहलुओं के बारे में सोच सकता हूँ: पहला, जो अर्जित किया गया है, जन्मजात के विपरीत, कौशल मानव जीवन में लगातार बढ़ती भूमिका निभाते हैं, और दूसरी बात यह है कि अधिक से अधिक मान लेना आवेग पर हावी है। इन मामलों में हम निश्चित रूप से जानवरों की तरह उत्तरोत्तर कम होते गए हैं।

पैराग्राफ 4. खुशी के बारे में, मुझे यकीन नहीं है। यह सच है कि सर्दियों के दौरान बड़ी संख्या में पक्षी भूख से मर जाते हैं, यदि वे मार्ग के पक्षी नहीं हैं। लेकिन गर्मियों के दौरान वे इस तबाही का पूर्वाभास नहीं करते हैं, या याद नहीं करते हैं कि पिछली सर्दियों में वे कितने करीब आए थे। इंसानों के साथ तो बात ही कुछ और है। मुझे संदेह है कि क्या वर्तमान सर्दियों (1946-47) के दौरान भूख से मरने वाले पक्षियों का प्रतिशत उतना ही महान है जितना कि इसी अवधि के दौरान भारत और मध्य यूरोप में इस कारण से मरने वाले मनुष्यों का प्रतिशत। लेकिन भूख से हर इंसान की मौत चिंता की लंबी अवधि से पहले होती है, और पड़ोसियों की इसी चिंता से घिरी होती है। हम न केवल उन बुराइयों को झेलते हैं जो वास्तव में हमारे ऊपर आती हैं, बल्कि वे सभी जो हमारी बुद्धि हमें बताती हैं, हमारे पास डरने का कारण है। आवेगों पर अंकुश लगाने के लिए हम पूर्वविचार के नेतृत्व में चिंता और खुशी की सामान्य कमी की कीमत पर शारीरिक आपदा को टालते हैं। मुझे नहीं लगता कि मेरे परिचितों के विद्वान लोग, भले ही वे एक सुरक्षित आय का आनंद लेते हैं, वे चूहों की तरह खुश हैं जो अपनी मेज से टुकड़ों को खाते हैं जबकि विद्वान सज्जनों को झपकी आती है। इस संबंध में, इसलिए, मुझे विश्वास नहीं है कि कोई प्रगति हुई है।

पैराग्राफ 5. भोगों की विविधता के रूप में, हालांकि, मामला अन्यथा है। मुझे कुछ शेरों का एक वाकया पढ़ना याद है, जिन्हें एक जंगली अवस्था में शेरों के सफल शिकार को दिखाते हुए एक फिल्म में ले जाया गया था, लेकिन उनमें से किसी को भी तमाशा का आनंद नहीं मिला। न केवल संगीत, और कविता, और विज्ञान, बल्कि फुटबॉल, और बेसबॉल, और शराब, जानवरों को कोई आनंद नहीं देते। इसलिए, हमारी बुद्धि ने निश्चित रूप से हमें जानवरों की तुलना में बहुत अधिक विविधता प्राप्त करने में सक्षम बनाया है, लेकिन हमने इस लाभ को ऊब के लिए बहुत अधिक दायित्व की कीमत पर खरीदा है।

Paragraph 6. But I shall be told that it is neither numbers not multiplicity of pleasures that make the glory of man. It is his intellectual and moral qualities. It is obvious that we know more than animals do, and it is common to consider this one of our advantages. Whether it is, in fact, an advantage, may be doubted. But at any rate it is something that distinguishes us from the brutes.

Paragraph 7. Has civilization taught us to be more friendly towards one another? The answer is easy. Robins (the English, not the American species) peck an elderly robin to death, whereas men (the English, not the American species) give an elderly man an old-age pension. Within the herd we are more friendly to each other than are many species of animals, but in our attitude towards those outside the herd, in spite of all that has been done by moralists and religious teachers, our emotions are as ferocious as those of any animal, and our intelligence enables us to give them a scope which is denied to even the most savage beast. It may be hoped, though not very confidently, that the more humane attitude will in time come to prevail, but so far the omens are not very propitious.

Paragraph 8. All these different elements must be borne in mind in considering what ideas have done most to help mankind. The ideas with which we shall be concerned may be broadly divided into two kinds: those that contribute to knowledge and technique, and those that are concerned with morals and politics. I will treat first those that have to do with knowledge and technique.

Paragraph 9. The most important and difficult steps were taken before the dawn of history. At what stage language began is not known, but we may be pretty certain that it began very gradually. Without it it would have been very difficult to hand on from generation to generation the inventions and discoveries that were gradually made.

पैराग्राफ 6. लेकिन मुझे बताया जाएगा कि यह न तो संख्या है और न ही सुखों की बहुलता जो मनुष्य की महिमा करती है। यह उनके बौद्धिक और नैतिक गुण हैं। यह स्पष्ट है कि हम जानवरों से अधिक जानते हैं, और यह हमारे लाभों में से एक पर विचार करना आम बात है। क्या यह वास्तव में एक फायदा है, इस पर संदेह किया जा सकता है। लेकिन किसी भी मामले में यह कुछ ऐसा है जो हमें जानवरों से अलग करता है।

अनुच्छेद 7. क्या सभ्यता ने हमें एक दूसरे के प्रति अधिक मित्रवत रहना सिखाया है? उत्तर आसान है। रॉबिन्स (अंग्रेज, अमेरिकी प्रजाति नहीं) एक बुजुर्ग रॉबिन को मौत के घाट उतारते हैं, जबकि पुरुष (अंग्रेज, अमेरिकी प्रजाति नहीं) एक बुजुर्ग व्यक्ति को वृद्धावस्था पेंशन देते हैं। झुंड के भीतर हम जानवरों की कई प्रजातियों की तुलना में एक-दूसरे के प्रति अधिक मित्रवत हैं, लेकिन झुंड के बाहर के लोगों के प्रति हमारे दृष्टिकोण में, नैतिकतावादियों और धार्मिक शिक्षकों द्वारा जो कुछ भी किया गया है, उसके बावजूद हमारी भावनाएं उतनी ही क्रूर हैं जितनी किसी की। जानवर, और हमारी बुद्धि हमें उन्हें एक ऐसा दायरा देने में सक्षम बनाती है जो कि सबसे जंगली जानवर को भी नकार दिया जाता है। यह आशा की जा सकती है, हालांकि बहुत आत्मविश्वास से नहीं, कि समय के साथ और अधिक मानवीय रवैया प्रबल होगा, लेकिन अभी तक संकेत बहुत अनुकूल नहीं हैं।

पैराग्राफ 8. मानव जाति की मदद करने के लिए सबसे अधिक विचारों ने क्या किया है, इस पर विचार करते समय इन सभी विभिन्न तत्वों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। जिन विचारों से हम संबंधित हैं, उन्हें मोटे तौर पर दो प्रकारों में विभाजित किया जा सकता है: वे जो ज्ञान और तकनीक में योगदान करते हैं, और वे जो नैतिकता और राजनीति से संबंधित हैं। मैं पहले उनका इलाज करूंगा जिनका ज्ञान और तकनीक से लेना-देना है।

पैराग्राफ 9. इतिहास की शुरुआत से पहले सबसे महत्वपूर्ण और कठिन कदम उठाए गए थे। यह ज्ञात नहीं है कि भाषा किस चरण में शुरू हुई, लेकिन हम यह निश्चित रूप से सुनिश्चित कर सकते हैं कि यह बहुत धीरे-धीरे शुरू हुई। इसके बिना धीरे-धीरे किए गए आविष्कारों और खोजों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सौंपना बहुत मुश्किल होता।

Paragraph 10. Another great step, which may have come either before or after the beginning of language, was the utilization of fire. I suppose that at first fire was chiefly used to keep away wild beasts while our ancestors slept, but the warmth must have been found agreeable. Presumably on some occasion a child got scolded for throwing the meat into the fire, but when it was taken out it was found to be much better, and so the long history of cookery began.

Paragraph 11. The taming of domestic animals, especially the cow and the sheep, must have made life much pleasanter and more secure. Some anthropologists have an attractive theory that the utility of domestic animals was not foreseen, but the people attempted to tame whatever animal their religion taught them to worship. The tribes that worshipped lions and crocodiles died out, while those to whom the cow or the sheep was a sacred animal prospered. I like this theory, and in the entire absence of evidence, for or against it, I feel a liberty to play with it.

Paragraph 12. Even more important than the domestication of animals was the invention of agriculture, which, however, introduced blood-thirsty practices into religion that lasted for many centuries. Fertility rites tended to involve human sacrifice and cannibalism. Moloch would not help the corn to grow unless he was allowed to feast on the blood of children. A similar opinion was adopted by the Evangelicals of Manchester in the early days of industrialism, when they kept six-year-old children working twelve to fourteen hours a day, in conditions that caused most of them to die. It has now been discovered that grain will grow, and cotton goods can be manufactured, without being watered by the blood of infants. In the case of grain, the discovery took thousands of years; in the case of the cotton goods hardly a century. So perhaps there is some evidence of progress in the world.

Paragraph 13. The last of the great prehistoric inventions was the art of writing, which was indeed a prerequisite of history. Writing, like speech, developed gradually, and in the form of pictures designed to convey a message it was probably as old as speech, but from picture to syllable writing and thence to the alphabet was a very slow evolution. In China the last step was never taken.

अनुच्छेद 10। एक और महान कदम, जो भाषा की शुरुआत से पहले या बाद में आया होगा, वह आग का उपयोग था। मुझे लगता है कि पहले आग का इस्तेमाल मुख्य रूप से जंगली जानवरों को दूर रखने के लिए किया जाता था, जबकि हमारे पूर्वज सोते थे, लेकिन गर्मी को अनुकूल पाया गया होगा। संभवतः किसी अवसर पर किसी बच्चे को मांस को आग में फेंकने के लिए डांटा गया था, लेकिन जब इसे बाहर निकाला गया तो यह बहुत बेहतर पाया गया, और इसलिए खाना पकाने का लंबा इतिहास शुरू हुआ।

अनुच्छेद 11. घरेलू पशुओं, विशेष रूप से गाय और भेड़ को पालतू बनाने से जीवन बहुत सुखद और अधिक सुरक्षित हो गया होगा। कुछ मानवविज्ञानियों का एक आकर्षक सिद्धांत है कि घरेलू पशुओं की उपयोगिता की कल्पना नहीं की गई थी, लेकिन लोगों ने उन जानवरों को वश में करने का प्रयास किया जिनकी उनके धर्म ने उन्हें पूजा करना सिखाया था। जो कबीले शेरों और मगरमच्छों की पूजा करते थे, वे मर गए, जबकि गाय या भेड़ एक पवित्र जानवर थे, वे समृद्ध हुए। मुझे यह सिद्धांत पसंद है, और सबूतों के अभाव में, इसके पक्ष या विपक्ष में, मैं इसके साथ खेलने की स्वतंत्रता महसूस करता हूं।

अनुच्छेद 12. पशुओं को पालतू बनाने से भी अधिक महत्वपूर्ण कृषि का आविष्कार था, जिसने, हालांकि, कई शताब्दियों तक चलने वाले धर्म में खून की प्यासी प्रथाओं को पेश किया। प्रजनन संस्कारों में मानव बलि और नरभक्षण शामिल था। मोलोच मकई को तब तक बढ़ने में मदद नहीं करेगा जब तक कि उसे बच्चों के खून पर दावत देने की अनुमति नहीं दी जाती। इसी तरह की राय मैनचेस्टर के इवेंजेलिकल द्वारा उद्योगवाद के शुरुआती दिनों में अपनाई गई थी, जब उन्होंने छह साल के बच्चों को दिन में बारह से चौदह घंटे काम करने के लिए रखा था, जिससे उनमें से अधिकांश की मृत्यु हो गई थी। अब यह पता चला है कि अनाज बढ़ेगा, और कपास के सामान का निर्माण किया जा सकता है, बिना शिशुओं के खून से सींचा जा सकता है। अनाज के मामले में, खोज में हजारों साल लग गए; कपास के सामान के मामले में शायद ही कोई सदी हो। तो शायद दुनिया में प्रगति के कुछ सबूत हैं।

पैराग्राफ 13. महान प्रागैतिहासिक आविष्कारों में से अंतिम लेखन की कला थी, जो वास्तव में इतिहास की एक शर्त थी। लेखन, भाषण की तरह, धीरे-धीरे विकसित हुआ, और संदेश को व्यक्त करने के लिए डिज़ाइन किए गए चित्रों के रूप में यह शायद भाषण जितना पुराना था, लेकिन चित्र से शब्दांश लेखन और वहां से वर्णमाला तक बहुत धीमी गति से विकास हुआ था। चीन में आखिरी कदम कभी नहीं उठाया गया।